भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

29.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं.1751 का उत्तर

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना

1751. श्री गुरमीत सिंह मीत हायेर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना के प्रारंभ होने की सटीक तिथि, प्रारंभिक स्वीकृत बजट तथा वास्तविक पूर्णता समय-सीमा का ब्यौरा क्या है;

(ख) परियोजना की वर्तमान भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का ब्यौरा क्या है तथा इसके पूर्ण रूप से चालू होने के लिए संशोधित समय-सीमा क्या है;

(ग) अब तक इस परियोजना में हुई कुल लागत वृद्धि का ब्यौरा क्या है तथा लागत बढ़ने के विशेष कारण क्या हैं;

(घ) परियोजना के क्रियान्वयन में हुई देरी के लिए उत्तरदायी विशिष्ट प्रशासनिक, तकनीकी अथवा भूमि अधिग्रहण संबंधी चुनौतियों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) देश में प्रस्तावित अन्य उच्च गति रेल गलियारों के मार्ग, अनुमानित परियोजना लागत और इस संबंध में हुई प्रगति की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): वर्तमान में, मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 कि.मी.) क्रियान्वित की जा रही है। मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरुच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशनों की योजना सहित यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजर रही है।

एमएएचएसआर रेल परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) का अधिग्रहण कर लिया गया है। सभी सांविधिक स्वीकृतियाँ प्राप्त कर ली गई हैं। सभी 1651 जनोपयोगिताओं को स्थानांतरित कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण परियोजना 2021 तक प्रभावित रही है। महाराष्ट्र से 2022 में भूमि अधिग्रहण में तेजी आई है।

अब तक विभिन्न प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है:

मद	प्रगति
पियर्स	452 किलोमीटर
गर्डर	356 किलोमीटर
ट्रैक बेड	209 किलोमीटर
शिरोपरि उपस्कर	190 किलोमीटर

स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:-

क्र.सं.	स्टेशन	स्थिति
1	साबरमती	नींव संबंधी और संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है। फिनिशिंग कार्य शुरू किए जा चुके हैं।
2	अहमदाबाद	संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है। फिनिशिंग और रेलपथ संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	आणंद/नडियाद	
4	वडोदरा	नींव संबंधी और संरचनात्मक कार्य पूरे किए जा चुके हैं और फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	भरुच	संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है और फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है। सूरत, बिलिमोरा और भरूच में भी रेलपथ संबंधी कार्य शुरू किया गया है।
6	सूरत	
7	बिलीमोरा	
8	वापी	
9	बोईसर	नींव संबंधी कार्य शुरू हो चुका है और अंतिम चरण में है। संरचनात्मक कार्य शुरू हो चुके हैं।
10	विरार	
11	ठाणे	
12	बीकेसी (मुंबई)	यह एक भूमिगत स्टेशन है। नींव संबंधी कार्य लगभग पूरा हो चुका है और बेस स्लैब का कार्य शुरू कर दिया गया है।

नदी पुलों पर प्रगति निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	नदी का नाम	स्थिति
1	साबरमती नदी (480 मीटर)	उप-संरचना का कार्य पूरा हो गया है, अधिरचना का कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	मेशवा नदी (120 मीटर)	पुल निर्माण कार्य पूरा हो गया है। रेलपथ संबंधी कार्य पूरा हो गया है और मोहर नदी पर ओएचई का कार्य शुरू किया गया है। वत्रक नदी पर रेलपथ संबंधी कार्य प्रगति पर है।
3	वत्रक नदी (280 मीटर)	
4	मोहर (शेढ़ी) नदी (160 मीटर)	
5	माही नदी (720 मीटर)	नींव संबंधी कार्य पूरा हो गया है। पियर संबंधी और गर्डर लॉन्चिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।

6	विश्वामित्री नदी (80 मीटर)	पुल निर्माण पूरा हो चुका है।
7	धादर नदी (120 मीटर)	
8	नर्मदा नदी (1366 मीटर)	25 में से 21 कुओं का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है; 24 में से 6 स्पैन लॉन्च किए गए हैं।
9	किम नदी (120 मीटर)	पुल निर्माण कार्य पूरा हो गया है।
10	तापी नदी (720 मीटर)	13 में से 09 कुओं का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।
11	मिंडहोला नदी (240 मीटर)	पुल निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। रेलपथ और विद्युत संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
12	पूर्णा नदी (360 मीटर)	
13	अंबिका नदी (200 मीटर)	
14	वेंगनिया नदी (200 मीटर)	
15	कावेरी नदी (120 मीटर)	
16	खरेरा नदी (120 मीटर)	
17	औरंगा नदी (320 मीटर)	
18	पार नदी (320 मीटर)	
19	कोलक नदी (160 मीटर)	
20	दमन गंगा नदी (360 मीटर)	
21	डारोथा नदी (80 मीटर)	
22	जगनी नदी (360 मीटर)	उप-संरचना संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है।
23	वैतरणा नदी (2320 मीटर)	17 पाइल कैप और 15 पियर (58 में से) का कार्य पूरा कर लिया गया है।

24	उल्हास नदी शाखा (120 मीटर)	नींव संबंधी कार्य शुरू करने के लिए अस्थायी पहुंच पुल (टैब) का कार्य पूरा कर लिया गया है।
25	देसाई खादी नदी पुल (400 मीटर)	भू-तकनीकी जांच (जीटीआई) पूरी हो चुकी है और डिजाइन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

समुद्र के नीचे सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का कार्य शुरू किया गया है, जिसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 किलोमीटर सुरंग का कार्य पूरा हो चुका है।

सूरत-वापी रेलखंड (97 कि.मी.) पर नदी पुल निर्माण सहित सभी सिविल निर्माण कार्य पूरे किए जा चुके हैं और 86% ट्रैक बेड बिछा दिया गया है।

बुलेट ट्रेन परियोजना एक अत्यंत जटिल और प्रौद्योगिकी-प्रधान परियोजना है। परियोजना के पूरा होने की सटीक समय-सीमा और अंतिम लागत का निर्धारण सिविल संरचनाओं, रेलपथ, इलेक्ट्रिकल, सिगनल व्यवस्था और दूरसंचार के सभी संबंधित कार्यों और ट्रेनसेट की आपूर्ति के पूरा होने के पश्चात ही किया जा सकता है।

राष्ट्रीय परिवहन अवसंरचना को सुदृढ़ करने, क्षेत्रीय संपर्कता, आर्थिक विकास, पर्यटन, निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और सड़क तथा हवाई परिवहन से रेल में मोडल शिफ्ट को प्रोत्साहित करने हेतु सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में निम्नलिखित सात नए उच्च गति रेल (एचएसआर) गलियारों के विकास की घोषणा की है:-

i. मुंबई-पुणे
ii. पुणे-हैदराबाद
iii. हैदराबाद-बेंगलूरु
iv. हैदराबाद-चेन्नै
v. चेन्नै-बेंगलूरु
vi. दिल्ली-वाराणसी
vii. वाराणसी-सिलीगुड़ी

बजट घोषणा के बाद, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में लागत अद्यतन, संरेखण को अंतिम रूप देने, आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना से प्राप्त अनुभव के आधार पर, नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने भावी कॉरिडोरों की अवसंरचना, जैसे कि वायडक्ट, पुल, सुरंग और स्टेशन, रेलगाड़ी नियंत्रण प्रणाली आदि के लिए मानकीकृत डिजाइनों और तकनीकी विशिष्टताओं के लिए गतिविधियां शुरू कर दी हैं।

अत्यधिक पूंजी गहन परियोजना होने के कारण, किसी भी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर/परियोजना को स्वीकृति देने का निर्णय कई कारकों जैसे विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के परिणाम, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन और वित्तपोषण विकल्पों आदि जैसे संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

****